हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार 6 अक्टूबर 2026

तापमान

अधिकतम 39 .0 डिग्री
न्यूनतम 19 .4 डिग्री

11 ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में नर्सिंग स्टाफ ने की हड़ताल, आंदोलन तेज करने की चेतावनी



12 जघन्य अपराधों के ग्राफ में गिरावट, पुलिस के लिए राहत भरे रहे 9 माह



खबर संक्षेप

सड़क हादसों का आरोपी चालक गिरफ्तार

कुंड। थाना खोल पुलिस ने सड़क हादसे के दर्ज मामलों में एक डंपर चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद घायल के बयान पर गत 2 अक्टूबर को केस दर्ज किया था। हादसे में डंपर की चपेट में आकर बाइक सवार घायल हो गया था। चालक डंपर सहित मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने जांच के बाद नूंह के नबाबा गढ़ निवासी मोहम्मद समुद को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। उसका डंपर भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। जांच में शामिल करने के बाद आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

जानलेवा हमले का आरोपी चढ़ा हत्थे

कोसली। थाना कोसली पुलिस ने झाल गांव में जानलेवा हमला करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर गत 26 मई को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर हत्या के प्रयास की धारा लगाई गई थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में हरीश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को कोर्ट के समक्ष पेश कर दिया गया।

मारपीट मामलों में तीन आरोपी दबोचे

रेवाड़ी। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। खोल थाना पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर 29 सितंबर को केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में सीहा निवासी आशीष को गिरफ्तार किया है। थाना कसोला पुलिस ने पीड़ित के बयान पर दर्ज मामले में सूंदरोज निवासी नितिन और परखोतमपुर निवासी दीपांशु को गिरफ्तार किया है। आशीष को बाद में पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया, जबकि अन्य को कोर्ट के समक्ष पेश किया गया।

अवैध शराब के साथ पकड़ा आरोपी

रेवाड़ी। सिटी थाना पुलिस ने शहर में स्कूटी से शराब बेच रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि खासापुरा निवासी विनोद अवैध शराब बेचने का धंधा करता है। वह स्कूटी लेकर शराब के साथ किसी के आने का इंतजार कर रहा है। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद मौके पर जाकर दबिश दी तो विनोद पुलिस के हत्थे चढ़ गया। उसके कब्जे से पुलिस ने 14 बोतल शराब बरामद की। आरोपी को स्कूटी और मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

गांजा उपलब्ध कराने वाला आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सीआईए रेवाड़ी ने अवैध नशीला पदार्थ गांजा उपलब्ध कराने के मामले में एक और आरोपी को अदालत से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव ढालियावास निवासी इन्द्रजीत उर्फ चुर्री के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले मे दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत 18 जुलाई को सीआईए को सूचना मिली कि नवीन उर्फ डब्बू गांव रामपुरा अवैध नशीला पदार्थ गांजा बेचने का काम करता है तथा भाड़ावास रोड से गांव रामपुरा की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 560 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी नवीन ने बताया कि उसे अवैध नशीला पदार्थ गांव ढालियावास निवासी धर्मबीर उर्फ मोटा व इन्द्रजीत उर्फ चुर्री ने उपलब्ध कराया था। पुलिस ने मामले में संलिप्त दो ओरोपी नवीन व धर्मबीर को आरोपियों को पहले ही काबू कर लिया था।

अतिक्रमण बढ़ा रहा कस्बे के लोगों की परेशानी, कार्रवाई के बदले चुप्पी साधे बैठा प्रशासन

करोड़ों रुपये की जमीन पर भू-माफिया की कुंडली, कब्जा हटवाने से बच रहे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/धारूहेड़ा

अलग खबर

कस्बे की करोड़ों रुपये की बेशकीमती जमीन पर माफिया की नजरें लगी हुई हैं। माफिया खाली नजर आने वाली नगर पालिका की जमीन पर कब्जा जमाता है, तो अफसर मूकदर्शक बने तमाशा देखते रहते हैं। ऐसा ही हाल अतिक्रमण का है। कस्बे के दुकानदार खुलकर अतिक्रमण करते हुए जाम का कारण बन रहे हैं, परंतु नपा अधिकारियों की ओर से इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। सोहना रोड पर झील मार्केट क्षेत्र की नगरपालिका की करोड़ों रुपये की जमीन पर कब्जे की शिकायतें लंबे समय से सामने आती रही हैं। लोगों का कहना है कि पूर्व नगरपालिका सचिव के कार्यकाल में कब्जा हटवाकर जमीन की सुरक्षा के लिए दीवार भी करवाई गई थी। बाद में इस जमीन पर फिर से कब्जा कर लिया गया, जिसे हटवाने की हिम्मत अधिकारी नहीं कर पा रहे हैं। फिरनी के कॉर्नर पर रास्ते की जमीन पर करीब 29 फीट तक कब्जे का आरोप है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगरपालिका कर्मचारियों ने मौके पर निशानदेही कर जमीन की सीमा के निशान भी लगाए हैं। इसके बावजूद आगे की कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। सवाल उठ रहा है कि यदि जमीन सार्वजनिक रास्ते की है तो उस पर कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कब होगी।



रेवाड़ी। धारूहेड़ा में सड़क पर किया गया अतिक्रमण। फोटो : हरिभूमि

जमीन से कब्जे हटवाने की मांग

कस्बे के लोगों ने मांग उठाई है कि सरकारी जमीन पर कब्जे की शिकायतों में यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की मिलीभगत सामने आती है तो उसकी भी जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। उनका कहना है कि कार्रवाई केवल छोटे दुकानदारों तक सीमित न रहकर प्रभावशाली कब्जाधारियों पर भी समान रूप से होनी चाहिए।



रेवाड़ी। धारूहेड़ा काम्प्लेक्स में किया गया अतिक्रमण। फोटो : हरिभूमि

खसरा नंबर 234 पर निर्माण का आरोप

सोहना रोड पर राजस्व रास्ता नंबर 234 को लेकर भी गंभीर शिकायत सामने आई है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह रास्ता वर्ष 1960 की चकबंदी में दर्ज है। आरोप है कि रास्ते की जमीन पर कब्जा कर भवन का निर्माण किया गया और बाद में उसे बेच दिया गया। मामले में नगरपालिका स्तर पर मिलीभगत के आरोप भी लगाए जा रहे हैं।

चौक से बस स्टैंड तक फुटपाथ गायब

कस्बे के भगत सिंह चौक से बस स्टैंड तक सड़क किनारे बने फुटपाथ पर भी अतिक्रमण की भरमार है। दुकानदारों के फुटपाथ पर सामान रखने और जगह घेरने के कारण पैदल राहगीरों को सड़क पर चलना पड़ रहा है। सोहना-पलवल-रेवाड़ी मार्ग पर वाहनों का दबाव अधिक होने के कारण यह स्थिति दुर्घटना और जाम का कारण भी बन सकती है।

जल्द हटवाया जाएगा अतिक्रमण

कस्बे को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए जल्द अधिकारियों से बात की जाएगी। अगर कोई अवैध कब्जा पाया जाता है, तो उसे भी जल्द खाली कराने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। -अजय जांगड़ा, चेयरमैन।

अवैध हथियार रखने वालों पर कसा शिकंजा दो पिस्टल व 10 कारतूस के साथ चार काबू





रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी रमन,शेखर व आशीष,पुलिस गिरफ्त में आरोपी अमित कुमार। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। थाना कसोला पुलिस ने अवैध हथियार रखने वालों पर कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को दो पिस्टल और दस कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों में दो हथियार मुहैया कराने वाले भी शामिल हैं। उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत दो मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव जलियावास निवासी रमन उर्फ बोगा अपने साथ अवैध हथियार रखता है। वह असाही फ्लाईओवर के नीचे हथियार के साथ खड़ा किसी के आने का इंतजार कर रहा है। सूचनाा मिलने के बाद पुलिस ने टीम बनाकर बताए गए स्थान पर दबिश दी। वहां खड़े एक शख्स ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा करते हुए उसे काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से देशी पिस्टल बरामद हुई। पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसे पिस्टल डयोढ़ई निवासी शेखर से लिया है। पुलिस ने शेखर को गिरफ्तार किया, तो उसने मुख्य सप्लायलर यूपी के गांव झांझर निवासी आशिफ से खरीदने की बात कही। आशिफ बावल के एक पीजी में रह रहा है। पुलिस ने उसे भी हाथों-हाथ गिरफ्तार कर लिया। तीनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

एक से पिस्टल व कारतूस मिले

सूचना के आधार पर ही पुलिस ने असाही पुल के पास खड़े आसलवास निवासी अमित को काबू कर लिया। वह किसी आपराधिक गतिविधि को अंजाम देने की फिराक में था। तलाशी लेने पर उसके पास से एक पिस्टल और 10 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार करने के बाद हथियार सप्लायर का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई चोरी की घटना, शिकायत के बाद भी दर्ज नहीं किया केस

मोटरसाइकिल पर बने जुगाड़ से आए चोर ताला तोड़कर दुकान से 2.23 लाख उड़ाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गढ़ी बोलनी रोड पर कसोला चौक के नजदीक रविवार की रात टाइलों की दुकान में घुसकर चोर अलमारी से 2.23 लाख रुपये चोरी कर ले गया। चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में रिकॉड हो गई। चोर एक मोटरसाइकिल पर बनाए गए रिक्शा के जुगाड़ से दुकान पर आने के बाद ताला तोड़कर वारदात को अंजाम देता है। दूसरी दुकान के कैमरे की फुटेज के मुताबिक तीन अन्य लोग शोरूम के पीछे की साइड रिक्शा के पास बैठे हुए थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर भी पहुंची, लेकिन चोरी का केस दर्ज करने से गुरेज करती रही।

देवेंद्र ने गढ़ी बोलनी रोड पर रोहित टाइल्स एवं सैनेटरी के नाम से शोरूम किया हुआ है। रविवार की रात वह शोरूम बंद करने के बाद अपने घर चला गया था। रात को उसे शोरूम के शटर का ताला टूटा होने की सूचना मिली, तो वह शोरूम पर पहुंच गया। शोरूम के अंदर रखी अलमारी की ताला भी टूटा हुआ मिला। चोरी अलमारी में रखे 2.23 लाख रुपये चोरी कर ले गए। चोर दुकान से अन्य सामान चोरी नहीं कर पाया। देवेंद्र ने चोरी की पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की ईआरवी मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल की वीडियोग्राफी करते हुए उसे थाने में शिकायत दर्ज कराने को कहा गया। देवेंद्र ने कसोला पुलिस थाने में शिकायत भी दर्ज करा दी, लेकिन पुलिस ने सोमवार शाम तक चोरी की एफआईआर तक दर्ज नहीं की थी। एसएचओ कसोला सतीश कुमार के अनुसार चोरी की शिकायत मिल चुकी है। पुलिस फुटेज में नजर आ रहे आरोपी की पहचान कराने के प्रयास कर रही है। जल्द ही पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया जाएगा।





रेवाड़ी। सीसीटीवी कैमरे में कैद चोर, चोरी करने के बाद जाता हुआ चोर।

संदिग्ध गतिविधियों में बाइक रिक्शा

बिना नंबरों की बाइक को रिक्शा में मोडिफाई कराने कई लोग शहर और आसपास के एरिया में कबाड़ी का कार्य करते हैं। इनकी बाइकों पर नंबर तक नहीं होते। पूर्व में भी ऐसे लोग चोरी की वारदातों में संलिप्त पाए गए हैं। बड़ी संख्या में जुगाड़ करके बनाई गई रिक्शा के खिलाफ पुलिस विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

साफ नजर आ रहा चोरी का आरोपी

शोरूम के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। जब देवेंद्र ने इन कैमरों की फुटेज चेक की तो एक युवक मोटरसाइकिल से बने रिक्शा का जुगाड़ लेकर शोरूम पर आता नजर आया। इसके बाद वह शटर का ताला तोड़कर शोरूम में चोरी की वारदात को अंजाम देता साफ दिखाई देता है। उसने पुलिस को फुटेज भी मुहैया कराई, लेकिन शाम तक पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई थी।

विधायक ने बावल अनाज मंडी का किया निरीक्षण



हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

विधायक डा. कृष्ण कुमार ने सोमवार को बावल अनाज मंडी का औचक निरीक्षण किया। मंडी में बाजरे की आवक, खरीद, उठान व बारदाना सहित किसानों के बैठने, पेयजल, शौचालय एवं सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। विधायक ने किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मंडी अधिकारियों एवं खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए कि मंडी में सभी व्यवस्थाएं की जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। खरीद प्रक्रिया पारदर्शी हो व समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर एसडीएम संजीव कुमार और राकेश सहायक मंडी सचिव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मेडिकल ऑफिसर के पद पर नियुक्त हुई कोसली की सोनम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली निवासी सोनम की नियुक्ति भिवानी जिले के धनाना गांव स्थित अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर के पद पर हुई है। सोनम ने 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई कोसली से ही पूरी की। नीट परीक्षा में पहले प्रयास में सफलता नहीं मिलने के बाद उन्होंने हार नहीं मानी और दोबारा परीक्षा की तैयारी की। वर्ष 2019 में दूसरे प्रयास में नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर उन्होंने रोहतक मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में प्रवेश लिया। एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद सोनम ने रोहतक मेडिकल कॉलेज में हाउस सर्जन के रूप में सेवाएं दीं। अब मेडिकल ऑफिसर के पद पर नियुक्ति मिलने से उन्होंने अपने करियर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। सोनम ने अपनी सफलता का श्रेय मां किरण, पिता अशोक यादव, अपने गुरूजनों एवं कुलगुरु बाबा मुक्तेश्वर पुरी के आशीर्वाद को दिया है। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत, लगन और बड़ों के आशीर्वाद से लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। गांव के सरपंच रामकिशन जांगड़ा, विजय आजाद, जगपाल यादव, कलावती, रमेश यादव, प्रेम व चंद्रप्रकाश यादव ने सोनम को बधाई दी है।



■ निरंतर मेहनत, लगन और बड़ों के आशीर्वाद से लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है

काठूवास में कब्जा मुक्त करवाई पंचायती जमीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बावल क्षेत्र के गांव काठूवास में पंचायती जमीन पर किए गए कब्जे को विभाग की टीम ने हटवा दिया। पुलिस बल की मौजूदगी में हुई इस कार्रवाई का कोई विरोध नहीं हुआ।

गांव की पंचायती जमीन पर कुछ लोगों ने कब्जा जमाया हुआ था। पंचायत की ओर से कब्जा हटवाने के लिए पंचायत ने वीसीएल एक्ट के तहत केस दायर किया था। फैसला पंचायत के पक्ष में आने के बाद कब्जा हटाने के आदेश जारी हुए थे। सोमवार को पंचायत विभाग की टीम ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट व पुलिस बल की मौजूदगी में पंचायती जमीन को खाली करा लिया।



रेवाड़ी। कब्जा हटाने के बाद साफ कराई गई पंचायती जमीन।

लगी कतारें | खरीद एजेंसी हैफेड की ओर से अभी तक कोई खरीद नहीं की गई

कोसली अनाज मंडी में बाजरे की भारी आवक, सोमवार को 557 गेट पास काटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली की अनाज मंडी में बाजरे की भारी आवक शुरू हो गई है। सोमवार को मंडी के बाहर ट्रैक्टरों की लंबी आवक लगाई तथा किसान अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। देर शाम तक अनाज मंडी में 47464 क्विंटल बाजरे की आवक हो चुकी थी। मार्केट कमेटी के सचिव विकास कुमार ने बताया कि अब तक 1728 गेट पास काटे जा चुके हैं। सोमवार को 557 गेट पास काटे गए तथा 14822 क्विंटल बाजरे की आवक हुई। खरीद एजेंसी हैफेड की ओर से अभी तक कोई खरीद नहीं की गई है। गत शनिवार को 809 क्विंटल बाजरा 2301 रुपये क्विंटल के रेट से आढ़तियों ने खरीदा गया तथा कुछ बाजरा 2150 से लेकर 2200 रुपये क्विंटल तक खरीदा गया। सोमवार को भी मंडी में व्यापारियों की ओर से 4000 क्विंटल बाजरा 2150 से लेकर 2200 रुपये प्रति क्विंटल दर से खरीदा गया तथा 2000 क्विंटल बाजारा 2301 रुपये में भी खरीदा गया।



रेवाड़ी। कोसली अनाजमंडी में लगा बाजरे का ढेर। फोटो : हरिभूमि

सर्विस रोड के बनने से कोसली स्टेशन के आसपास यातायात सुगम होगा

3.81 करोड़ से बनेगा कोसली स्टेशन आरओबी का सर्विस रोड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली के विधायक अनिल यादव ने कहा कि कोसली रेलवे स्टेशन के आरओबी के दोनों ओर शीघ्र ही सर्विस रोड का निर्माण कराया जाएगा। इस संदर्भ में लोक निर्माण विभाग की ओर से जल्दी ही टेंडर अलॉट किया जाएगा। विधायक सोमवार को कार्यालय में लोगों की शिकायतों को सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि कोसली स्टेशन के आरओबी के दोनों तरफ जल्दी ही सर्विस रोड का पुर्ननिर्माण कराया जाएगा। लोक निर्माण विभाग ने इस कार्य के लिए 3 करोड़ 81 लाख की राशि मंजूर की है। इसकी टेंडर प्रक्रिया शुरू होने वाली है। सर्विस रोड के बनने से कोसली स्टेशन के आसपास यातायात सुगम होगा तथा लोगों को आने-जाने में परेशानी नहीं होगी। इस कार्य से यहां के दुकानदारों को भी वाहनों के जाम से मुक्ति मिल सकेगी। विधायक ने कहा कि उनका प्रयास है कि विधानसभा क्षेत्र में सभी तरह की बिजली, पानी, सड़क, चिकित्सा आदि जनसुविधाएं लोगों को उपलब्ध हो। इस अवसर पर विभिन्न गांवों से आए जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।



रेवाड़ी। लोगों की समस्याएं सुनते विधायक अनिल कुमार यादव।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि

सहेली

रोहतक, मंगलवार
6 अक्टूबर, 2026



स्पेशल : इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड-डे, 11 अक्टूबर

राष्ट्रीय हो या अंतरराष्ट्रीय, बालिकाओं की स्थिति बहुत चिंताजनक है। वे कुपोषण का शिकार हैं, शिक्षा नहीं हासिल कर सकतीं, उनका बाल विवाह हो रहा है, भ्रूण हत्याएं जारी हैं। वे हिंसा का शिकार होती हैं। कानूनी अधिकारों से वे वंचित हैं। सबसे अधिक दुखदायी स्थिति है बेटियों के साथ सामाजिक और पारिवारिक भेदभाव। दुनिया की सभी बालिकाएं अपना हक पाएं, सुखी जीवन हासिल करें, इसके लिए बहुत जरूरी है, वैश्विक स्तर पर साझे प्रयास किए जाएं।

दुनिया भर में कायम है बेटियों की जद्दोजहद

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

किसी भी देश या समाज की दशा-दिशा के मुताबिक बेटियों के जीवन से जुड़ी परिस्थितियां भी बदल जाती हैं। दुनिया का कोई भी कोना हो, बच्चियों को असहज करने वाली बातों और हालातों में फर्क आ ही जाता है। हर जगह बड़ी होती लाडलियों के सामने आने वाली समस्याओं में भी अंतर होता है। आगे बढ़ने और अपने सपने साकार करने में आने वाली अड़चनों से जुड़ी शिकायतें भी थोड़ी भिन्न होती हैं। इतना ही नहीं, आम-सी जिंदगी जीने की सहजता भी संसार के हर कोने में एक-सी नहीं है। हर परिवेश में बेटियों के हिस्से आई सुविधाएं और दुविधाएं अलग-अलग होती हैं। यहां तक कि जन्म लेने से पहले ही उनका जीवन छीन लेने की स्थितियां भी दुनिया के कई हिस्सों की अजन्मी बेटियों को झेलनी पड़ती हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो पीड़ाओं का रंग-ढंग भले अलग हो, दुनिया के हर भू-भाग में बेटियों को बहुत-सी तकलीफों से जूझना ही पड़ता है। अनकहा-सा दबाव और बंदिशें उनके हिस्से आती ही हैं। इसी के चलते आज भी दुनिया भर में बेटियों की जद्दोजहद कायम है।

ग्लोबल लेवल पर समस्याएं

आज भी बेटियों की जद्दोजहद किसी एक देश तक सीमित नहीं है। सुरक्षा और सम्मान से जुड़े विपरीत हालात वैश्विक स्तर पर देखे जा सकते हैं। बाल विवाह हो या अशिक्षा, भ्रूणहत्या हो या कुरीतियां। किसी न किसी रूप में बेटियों के जीवन का दंश बना हुआ है। विकसित देशों से लेकर आर्थिक-सामाजिक रूप से पिछड़े देशों तक, कहीं जागरूकता की कमी है, तो कहीं अति आधुनिक विचार बेटियों के जीवन को मुसीबत में डाल रहे हैं। वैश्विक स्तर पर लड़कियों के सामने शिक्षा की कमी, सामाजिक-पारिवारिक भेदभाव, कुपोषण, हिंसा और कानूनी अधिकार पाने से जुड़ी अनगिनत चुनौतियां कायम हैं। ऐसी बहुत-सी चुनौतियों को संबोधित करने के लिए ही अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह खास दिन दुनिया भर की लड़कियों को उनके हक दिलाने और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने से जुड़ा है। इस दिन आगे बढ़ती बेटियों के योगदान का ग्लोबल उत्सव भी मनाया जाता है। बेटियों के सशक्त स्वर, उनके प्रभावी कार्यों और नेतृत्व क्षमता की चर्चा होती है। विशेष रूप से बेटियों की परवाह करने वाले लोग हर उस मोर्चे पर अवेयरनेस लाने का प्रयास करते हैं, जो उनके जीवन को सहज बना सके। संसार के हर कोने में समस्याओं का सामना करती बालिकाओं के लिए अपने अधिकार पाने और मन-जीवन से जुड़ी चुनौतियों का डटकर सामना करने का परिवेश बना सकें।



मिले बाल विवाह के दंश से मुक्ति

साल 2026 के लिए इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड-डे की थीम 'एंड चाइल्ड मैरिज एंड इंवेस्ट इन गर्ल्स राइट्स' है। यह विषय लड़कियों के अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले ऑर्गनाइजेशंस, दुनिया भर के आम नागरिकों और यूएन के पार्टनर्स द्वारा मिलकर तय किया गया है। यह मुहिम साझे प्रयासों से बाल विवाह को खत्म करने, लड़कियों के अधिकारों को बल देने और फाइनेंशियल कॉन्ट्रिब्यूशन करने के लिए सक्रियता से काम करने का उद्देश्य लिए है। बाल विवाह हमारे देश में ही नहीं, दुनिया भर में बेटियों के जीवन के लिए दंश बना हुआ है। हर साल विश्व में एक करोड़ बारह लाख लड़कियों की चाइल्ड मैरिज होती है। दुनिया के कई देशों में बेटियों की शादी एडल्ट होने से पहले ही करा दी जाती है। समझना कठिन नहीं, बाल विवाह के बाद जेंडर वॉयलेंस, कुपोषण, कम उम्र में मां बनने से प्रेग्नेंसी के कॉम्प्लिकेशन जैसी स्थितियां लड़कियों के हिस्से आती हैं।

आंकड़े बताते हैं कि लगभग हर चार में से एक 15-19 वर्ष की लड़की ने अपने जीवनकाल में इंटीमेट पार्टनर की हिंसा झेली होती है। वैश्विक स्तर पर टीनएजर्स के एचआईवी संक्रमण के नए केसेस में 75 प्रतिशत लड़कियां होती हैं। इन स्थितियों में लड़कियों का सम्मान और स्वास्थ्य दोनों चोटिल होते हैं। पढ़ाई छूट जाती है। भविष्य बनाने के सपने टूट जाते हैं। सुखद है कि हमारे देश में अब बाल विवाह में कमी आई है। बेटियों का जीवन सहेजने के लिए बाल विवाह को लेकर वैश्विक स्तर पर जागरूकता लाना और पारिवारिक स्तर पर जवाबदेही तय करना आवश्यक है।

आशाओं को मिले संबल

यूनिसेफ की एक रिसर्च के अनुसार अनगिनत चुनौतियों से जूझने के बावजूद दुनिया भर की लड़कियां बेहतर भविष्य के लिए आशान्वित और दृढ़ संकल्पित हैं। ग्लोबल लेवल पर बहुत-सी बालिकाएं सुरक्षित, सशक्त बनने के विजन को लेकर आगे बढ़ रही हैं। उनकी आशाओं को संबल देने की जरूरत है।



कई समस्याओं का सामना कर रही हैं बालिकाएं

आमतौर पर यह मान लिया जाता है कि विकसित देशों में लड़कियों का जीवन बहुत सहज-सुविधाजनक है। जबकि आर्थिक रूप से संपन्न इन देशों में भी कई सामाजिक-पारिवारिक बंधन लड़कियों के हिस्से हैं। इतना ही नहीं, तकनीकी तरक्की के चलते इन देशों में लड़कियां साइबर बुलिंग की शिकार बनती हैं। टूटते परिवारों वाले आधुनिक समाज में बहुत-सी बच्चियां अकेलापन और एंग्जायटी भी झेलती हैं। कुछ समय पहले आई सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका की 60 फीसदी लड़कियों ने लगातार उदास और हताश रहने की शिकायत की थी। इसी रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की हर दस में एक से ज्यादा लड़की ने बताया कि उसे यौन धमकियां मिलीं और यौन संबंधों के लिए मजबूर किया गया। समझना मुश्किल नहीं कि दुनिया का कोई भी देश हो, बिखरी मनःस्थिति में बच्चियों का आपराधिक सोच वाले लोगों के जाल में फंसना बहुत आसान होता है। विकसित देशों में सिंगल पैरेंट के साथ बड़ी होती बेटियों में भावनात्मक असुरक्षा बहुत अधिक होती है। अमेरिका जैसे देश में भी जेंडर पे गैप की स्थितियां मौजूद हैं।

जो बिना कहे साथ निभाए वही है सच्चा रिश्ता

रिश्ते सिर्फ यह कह देने से 'हम आप से बहुत प्यार करते हैं' साबित नहीं होते, बल्कि उन अनकहे शब्दों से भी पहचाने जाते हैं, जब कोई बिना कुछ कहे साथ खड़ा रहता है, मुश्किल घड़ी में संबल बनता है। प्यार की असली खूबसूरती शब्दों से अधिक भरोसे में छिपी होती है। सच्चे रिश्ते की यही पहचान है।

रिलेशनशिप
वीरेंद्र बहादुर सिंह



अकसर आपने देखा होगा कि कुछ लोग हर समय प्यार और अपनेपन का इजहार तो करते रहते हैं, लेकिन मुश्किल समय में साथ नहीं दिखते। वहीं कुछ लोग कभी बड़े-बड़े वादे नहीं करते, लेकिन जरूरत पड़ने पर आपके साथ खड़े होते हैं। सच यही है कि सच्चे रिश्तों की पहचान शब्दों से नहीं, व्यवहार से होती है।

आकर्षण से ज्यादा विश्वास-अपनत्व है जरूरी: किसी नए रिश्ते की शुरुआत प्रायः किसी न किसी आकर्षण से होती है। हर आकर्षण के पीछे कोई न कोई वजह होती है। किसी का स्वभाव, व्यक्तित्व या समझदारी हमें उसकी ओर खींचती है। समय के साथ यदि ये वजहें बदलने लगें तो आकर्षण भी कम हो सकता है। लेकिन रिश्ता अगर केवल आकर्षण पर नहीं, विश्वास और अपनत्व पर टिका हो, तो वह लंबे समय तक बना रहता है।



'आई लव यू' के साथ जुड़ी होती हैं उम्मीदें: जब कोई 'आई लव यू' या 'मैं तुमसे करती हूं/प्यार करता हूं' कहता है, तो उसके साथ कई अनकही उम्मीदें भी जुड़ी होती हैं। साथ निभाना, परवाह करना, मुश्किल समय में साथ खड़ा रहना और भावनाओं को समझना, ये सब प्रेम का हिस्सा हैं। परेशानी तब शुरू होती है, जब इन उम्मीदों/अपेक्षाओं पर कभी खुलकर बात ही नहीं होती।

अनकही शिकायतों से बढ़ती है रिश्तों में दूरी: अधूरी उम्मीदें धीरे-धीरे शिकायतों का रूप ले लेती हैं। इन शिकायतों को जल्द से जल्द आपसी बातचीत और समझदारी से हल किया जाना जरूरी है। शिकायतों को मन में दबाए रखने से सामने वाले को अपनी बात स्पष्ट करने का मौका नहीं मिलता। इससे रिश्ते में नाराजगी और गलतफहमी का जाल फैलता जाता है, दूरी बढ़ने लगती है। रिश्तों में सबसे बड़ा संकट तब आता है, जब मन की बात मन में ही रह जाती है।

छोटी-छोटी गलतफहमियों से टूटते हैं रिश्ते: अधिकांश रिश्ते किसी एक बड़ी घटना से नहीं टूटते। वे छोटी-छोटी गलतफहमियों, गलत धारणाओं और संवाद की कमी से कमजोर होकर टूट जाते हैं। यदि हर छोटी बात या गलतफहमी को बढ़ा-चढ़ाकर देखा जाए, तो प्रेम की जगह अविश्वास घर कर लेता है। कई बार यह अविश्वास रिश्ते के टूटने का कारण बन जाता है।

सच्चे प्रेम को प्रमाण की जरूरत नहीं होती: जो व्यक्ति आपको दिल से चाहता है, उसका अपनापन आपको स्वतः महसूस हो ही जाता है। वह चाहे कम बोले, लेकिन उसके व्यवहार में उसका प्रेम दिखाई देता है। उसी तरह जो केवल दिखावे का रिश्ता निभा रहा हो, उसकी सच्चाई भी समय के साथ स्पष्ट हो ही जाती है।

जताने से ज्यादा जरूरी है निभाना: जीवन में सबसे अनमोल रिश्ता वही होता है, जहां दिखावे से अधिक विश्वास हो, शब्दों से अधिक संवेदनाएं हों और वादों से अधिक साथ निभाने का साहस हो। आखिरकार, सच्चे रिश्ते बोलते नहीं, महसूस होते हैं।

खत्म नहीं होता सच्चा रिश्ता: लोग अलग हो सकते हैं, लेकिन रिश्तों की यादें, सीख और भावनाएं हमेशा साथ रहती हैं। कोई भी सच्चा रिश्ता समाप्त नहीं होता, समय के साथ केवल उसका स्वरूप बदल जाता है।

हर किसी के लिए 'मी टाइम' जरूरी है, पति- पत्नी के लिए भी, क्योंकि शादी के बाद दोनों अपनी रुटीन लाइफ में इतने ज्यादा बिजी हो जाते हैं कि उनके पास अपने लिए कोई समय नहीं होता। जीवन में हमेशा एक ताजगी बनी रहे, इसके लिए जरूरी है 'मी टाइम'।

क्या 'मी टाइम' शादीशुदा लोगों के लिए भी जरूरी है?

मैरिड लाइफ
नैंसी गुप्ता

शादी के बाद जिंदगी में जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। घर-परिवार, बच्चों की देखभाल, नौकरी और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच कई दंपती अपनी पसंद और जरूरतों के लिए समय निकालना भूल जाते हैं। खासकर रोजमर्रा की व्यस्त जिंदगी में व्यक्ति का पूरा ध्यान दूसरों की जरूरतें पूरी करने में लग जाता है। ऐसे में खुद के लिए समय निकालना यानी 'मी टाइम' मानसिक और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। अकेले समय बिताने का मतलब परिवार से दूरी बनाना नहीं होता, बल्कि यह खुद को समझने और अपने भीतर एक नई ऊर्जा जुटाने का अवसर होता है। जी हां, शादीशुदा लोगों के लिए भी 'मी टाइम' बहुत जरूरी है। इसे स्वस्थ रिश्ते और बेहतर जीवनशैली का हिस्सा समझना चाहिए।



खुद के लिए समय निकालना क्यों जरूरी : शादी के बाद अकसर व्यक्ति की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। घर और परिवार की जरूरतों को पूरा करते-करते अपनी पसंद, आराम और रुचियों के लिए समय कम बचता है। लगातार व्यस्त रहने से थकान और चिड़चिड़ापन महसूस होने लगता है। रोजाना कुछ समय अपने लिए निकालने से व्यक्ति को मानसिक रूप से आराम मिलता है, वह अपनी जरूरतों पर ध्यान दे पाता है। यह समय बहुत लंबा हो यह जरूरी नहीं है। दिन में 20-30 मिनट आसानी से अपने लिए निकाले जा सकते हैं।



'मी टाइम' का मतलब अकेले रहना नहीं: कई लोगों को लगता है कि 'मी टाइम' का अर्थ परिवार से अलग रहना या जिम्मेदारियों से बचना है, ऐसा बिल्कुल नहीं है। 'मी टाइम' का मतलब अपनी पसंद का कोई काम करना होता है, जैसे कोई किताब पढ़ना, पेंटिंग करना, संगीत सुनना, टहलना, पौधों की देखभाल करना, योग करना या शांत बैठकर चाय पीना भी 'मी टाइम' का हिस्सा है। जरूरी यह है कि इस दौरान व्यक्ति खुद को मानसिक रूप से आराम देने वाली गतिविधि करे, उसे एक सुकून महसूस हो।

शादीशुदा रिश्ते के लिए भी फायदेमंद: पति-पत्नी का हर समय साथ रहने का मतलब यह नहीं होता कि उन्हें हर काम साथ ही करना चाहिए। दोनों को अपनी व्यक्तिगत पसंद और रुचियों के लिए भी एक स्पेस मिलनी चाहिए। जब व्यक्ति खुद के लिए समय निकालता है तो वह अधिक तरोताजा महसूस करता है। इससे छोटी-छोटी बातों पर होने वाली झुंझलाहट कम करने में मदद मिलती है। हमें यह समझना चाहिए कि स्वस्थ रिश्ते में साथ समय बिताने के साथ-साथ एक-दूसरे के पर्सनल स्पेस का सम्मान करना भी जरूरी है। यह दांपत्य जीवन में मधुरता बनाए रखता है।

अपनी रुचि को फिर से पहचानें: शादी और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच कई लोग अपनी पुरानी हॉबी छोड़ देते हैं। किसी को पेंटिंग पसंद होती है, किसी को डांस या फिर पढ़ना-लिखना, लेकिन समय न मिलने के कारण ये रुचियां पीछे छूट जाती हैं। 'मी टाइम' अपनी पुरानी रुचियों को फिर से जिंदगी में शामिल करने का मौका देता है।

हर समय परिवार के लिए उपलब्ध रहना जरूरी नहीं: परिवार के सदस्यों की जरूरतों का ध्यान रखना बहुत अच्छी बात है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति को हर समय उपलब्ध रहना ही चाहिए। लगातार काम करते रहने से थकान बढ़ जाती है। इसलिए घर में सभी सदस्यों को एक-दूसरे की जरूरतो का ध्यान रखना चाहिए।

अगर कोई व्यक्ति कुछ समय शांत रहना चाहता है या अपनी पसंद का कोई काम करना चाहता है, तो इसे गलत समझने के बजाय उसकी जरूरत के रूप में देखना चाहिए।

(लाइफस्टाइल एक्सपर्ट श्वेता गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

घर पर ऐसे करें हेयर कलर



हेयर केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

आजकल महिलाओं में बालों को कलर करने का ट्रेंड बहुत देखने को मिल रहा है। जहां पहले सिर्फ सफेद बालों को काला करने के लिए कलर किया जाता था। लेकिन अब महिलाएं काले बालों को ग्लैमरस लुक देने के लिए भी उन्हें कलर करवा रही हैं। लेकिन केमिकल वाले कलर्स से बालों को नुकसान भी पहुंचता है। इसलिए बालों को नेचुरल कलर से रंगना चाहिए।

नेचुरल हेयर कलर: आजकल प्राकृतिक तत्वों और सब्जियों से बने कलर्स भी 'हेयर मस्कारे' के रूप में उपलब्ध हैं। हेयर मस्कारा कुछ हद तक क्रेयॉन की तरह होते हैं, जो बालों को 'स्ट्रीक' करने के लिए किए जाते हैं। यह काफी प्रभावी रूप से सफेद बालों को छिपाते हैं। ये बालों को ग्लैमरस लुक देते हैं और सामान्य बालों से अलग लुक देने में भी मदद करते हैं। इसका मुख्य लाभ यह है कि ये बालों की संरचना और बनावट को होने वाले नुकसान से बचाते हैं।



ऐसे बनाएं हेयर कलर: हालांकि बाजार में हर्बल उत्पादों से बने नेचुरल कलर तो मिल जाते हैं लेकिन ये थोड़े महंगे होते हैं। आप चाहें तो इन्हें घर पर भी बना सकती हैं। कलर पेस्ट बनाने के लिए गुनगुने पानी में मेहंदी और कत्था जैसे नेचुरल कलरेंट मिलाएं। इसके बाद रबर के दस्ताने पहनकर समान रूप से ऊपर से नीचे तक बालों पर लगाएं। 3 घंटे के लिए रंग लगा हुआ छोड़ दें। इसके बाद अच्छी तरह साफ पानी से धो लें।

फायदेमंद है आंवला: आंवला सफेद बालों को नियंत्रित करने के लिए उत्तम माना जाता है। कच्चे आंवले का रस एक पानी के गिलास में डालकर रोज पीने से सफेद बालों को नियंत्रित करने में मदद करता है। साथ ही आंवला, मेहंदी पावडर में मिलाकर लगाया जा सकता है। आपको बता दें कि मेहंदी सफेद बालों को रंगती है, न कि काले बालों को। इसका पेस्ट बनाने के लिए रात को 2 से 3 कप पानी में रात भर सूखा आंवला भिगोकर रख दें। अगली सुबह, आंवला पानी से निकाल लें। इसके बाद पानी फेंकना नहीं है। अब आंवला पीस लें। इसके बाद मेहंदी पावडर में आंवला पेस्ट, 4 छोटे चम्मच नीबू का रस, कॉफी, 2 चम्मच तेल और पर्याप्त आंवले का पानी मिलाएं। दो से तीन घंटे के लिए पेस्ट बनाकर रख दें। फिर पूरे बालों में इस तरह लगाएं कि सारे बाल कवर हो जाएं। कम से कम दो घंटे के लिए रखें और सादे पानी से धो लें।



इस तरह लगाएं मेहंदी: सबसे पहले ध्यान रखें कि मेहंदी पावडर अच्छी गुणवत्ता की हो। यह गहरे हरे रंग की होनी चाहिए। हेयर हेल्थ को अच्छा करने और बालों की समस्याओं को दूर करने के लिए मेहंदी के साथ आंवले, ब्राह्मी, भृंगराज, बेल आदि का इस्तेमाल करना चाहिए। मेहंदी बहुत अच्छा कंडीशनर होता है और बालों को सुरक्षा के साथ मजबूती भी प्रदान करता है।

आने वाले नवरात्रों में आप व्रत जरूर रखेंगी। व्रत के दौरान सिर्फ अन्न से दूरी बनाना ही काफी नहीं है। शरीर को पर्याप्त ऊर्जा और पोषण मिले, इसके लिए सही आहार का सेवन करना भी जरूरी है।

व्रत में ऐसी हो आपकी डाइट

डाइट सजेशन
निकिता चौहान





अधिकतर महिलाएं नवरात्र व्रत रखती हैं। अकसर लोग व्रत के दौरान फलाहार के नाम पर तली-भुनी चीजें, साबूदाना, आलू और मीठे खाद्य पदार्थ अधिक मात्रा में खाने लगते हैं। इससे सेहत को फायदा होने के बजाय नुकसान हो सकता है। वहीं, पर्याप्त पानी और संतुलित आहार की कमी से कमजोरी, सिरदर्द, एसिडिटी, कब्ज और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। ऐसे में जरूरी है कि व्रत के दौरान ऐसी डाइट ली जाए, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ पोषण भी दे। नवरात्र में व्रत का उद्देश्य केवल भोजन छोड़ना नहीं, बल्कि संयम के साथ शरीर और मन का ध्यान रखना भी है। संतुलित फलाहार, पर्याप्त पानी और सही मात्रा में पोषक तत्व लेकर आस्था के साथ सेहत का भी ख्याल रखा जा सकता है।

बनाए रखें हाइड्रेशन: नवरात्र के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है। दिनभर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहें। इसके अलावा नारियल पानी, नीबू पानी, छाछ जैसे पेय भी डाइट में शामिल किए जा सकते हैं। बहुत अधिक चीनी वाले पेय और पैकेज्ड जूस से बचना बेहतर है।

फल-सब्जियों का सेवन: व्रत की डाइट में मौसमी फल और सब्जियों को शामिल करना अच्छा विकल्प है। सेब, पपीता, संतरा और अमरूद जैसे फल खाए जा सकते हैं। फलों के जूस की बजाय पूरा फल खाना बेहतर रहता है, क्योंकि इससे फाइबर भी मिलता है। दिनभर एक साथ ज्यादा खाने की बजाय छोटे और संतुलित मील लेना अधिक बेहतर है।

कुट्टू, सिंघाड़ा और सामक से मिले ऊर्जा: व्रत में कुट्टू या सिंघाड़े के आटे की रोटी और चीला लिया जा सकता है। इसके साथ दही या सब्जियां शामिल करने से भोजन अधिक संतुलित हो जाता है। सामक के चावल भी सीमित मात्रा में खाए जा सकते हैं। प्रोटीन के लिए दूध, दही और पनीर ले सकते हैं।

तली-भुनी चीजों से बनाएं दूरी: साबूदाने की खिचड़ी, वड़ा, आलू चिप्स, कुट्टू की पूड़ी और पकौड़े व्रत में खूब पसंद किए जाते हैं। इनका अधिक सेवन कैलोरी बढ़ाने के साथ पेट से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकता है।

नमक-चीनी का सीमित सेवन: व्रत में सेंधा नमक का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इसकी मात्रा पर भी नियंत्रण जरूरी है। चाय, कॉफी, मीठी लस्सी और अन्य मीठे पेय का भी अधिक सेवन नहीं करना चाहिए।

व्रत खोलते समय बरतें सावधानी: व्रत खोलते ही बहुत ज्यादा या भारी, मसालेदार और तला-भुना भोजन करने से बचें। शुरुआत हल्के भोजन, फल या दही से की जा सकती है। भोजन धीरे-धीरे और अच्छी तरह चबाकर खाएं, ताकि पाचन तंत्र पर अचानक अधिक भार न पड़े।

बरतें ये विशेष सावधानी: डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, किडनी या हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित लोगों को बिना चिकित्सकीय सलाह के लंबे समय तक उपवास नहीं करना चाहिए। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं, बुजुर्गों तथा नियमित दवा लेने वाले लोगों को भी व्रत रखने से पहले डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह लेनी चाहिए।

(सीनियर डाइटिशियन डॉ. आस्था शर्मा से बातचीत पर आधारित)

हरियाणा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपकर लगाई गुहार

मान्यता प्राप्त स्कूलों की 10 साल बाद रिव्यू की शर्त हटाने की मांग

व्यावहारिक दिक्कतों पर ध्यान देने की सरकार से अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने निजी स्कूलों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा को ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि निजी स्कूल प्रदेश में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं, इसलिए उनकी व्यावहारिक समस्याओं का समाधान किया जाना जरूरी है। एसोसिएशन ने स्थायी मान्यता प्राप्त स्कूलों के लिए 10 वर्ष बाद रिव्यू की शर्त समाप्त करने की मांग की है।



रेवाड़ी। शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए निजी स्कूल संचालक।

जिले में हो बसों की पासिंग

उन्होंने कहा कि स्थायी मान्यता प्राप्त स्कूलों के लिए 10 वर्ष बाद दोबारा समीक्षा कराने का कोई औचित्य नहीं है और इस शर्त को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाना चाहिए। इसके अलावा जिले के निजी स्कूलों की स्कूल बसों की पासिंग गुरुग्राम जिले में कराने के निर्णय पर भी आपत्ति जताई गई। एसोसिएशन ने मांग करते हुए कहा कि बसों की पासिंग पहले की तरह सब-डिविजन या जिले में ही कराई जाए, ताकि स्कूल संचालकों को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

बगैर सूचना पोर्टल बंद करने पर आपत्ति

एसोसिएशन पदाधिकारियों ने निजी स्कूलों के पोर्टल को बिना पूर्व सूचना और उचित कारण के बंद किए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पोर्टल बंद होने से स्कूलों की पूरी व्यवस्था प्रभावित होने के साथ-साथ संबंधित कार्य भी रुक जाते हैं। एसोसिएशन ने स्कूल समय के दौरान कोचिंग सेंटरों में विद्यार्थियों के जाने तथा कोचिंग के नाम पर शहर में घूमने वाले बच्चों के मामले में भी शिक्षा विभाग से उचित कार्रवाई करने की मांग की। एसोसिएशन सदस्यों ने वर्ष 2007-08 में हरियाणा स्कूल शिक्षा संशोधन नियमों के तहत पुराने स्कूलों को स्थायी मान्यता देने के लिए एनओसी और सीएलयू नियमों में दी गई विशेष छूट से जुड़ी व्यवस्था को भी स्पष्ट करने की मांग की। इस मौके पर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल यादव, प्रदेश संरक्षक जवाहर लाल दूहन और नवीन सैनी सहित अनेक प्राइवेट स्कूल संचालक मौजूद थे।



हलवाई, क्रोकरी व गार्डन जिला यूनियन का गठन

रेवाड़ी। जिले की हलवाई, क्रोकरी व गार्डन तीनों संगठनों की यूनियन का गठन किया गया। बैठक में करीब सभी हलवाई, गार्डन संचालक और क्रोकरी का कार्य करने वाले लोगों ने सर्वसम्मति से कमेटी का गठन किया। कमेटी में प्रधान राधेश्याम शर्मा कमालपुर, उप प्रधान सुरेंद्र शर्मा कुतुबपुर, उप प्रधान राजेश यादव, उप प्रधान करण सिंह, उप प्रधान कपिल यादव, कोषाध्यक्ष अजीत सैनी, सह कोषाध्यक्ष सुनील यादव, सचिव प्रवीण सैनी व सहसचिव के पद पर रोशन यादव को नियुक्त किया गया।

दो घंटे बंद रखा काम, आंदोलन तेज करने की दी चेतावनी

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के खिलाफ नर्सिंग स्टाफ की हड़ताल

दूर-दराज तबादला होने पर महिलाओं को होगी परेशानी

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

स्वास्थ्य विभाग में लागू की जा रही मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में नर्सिंग स्टाफ ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। नर्सिंग ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से पॉलिसी को नर्सिंग कैडर से बाहर रखने की मांग की जा रही है। सोमवार को ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में नर्सिंग स्टाफ ने दो घंटे की हड़ताल की।

एसोसिएशन की जिला प्रधान सुशीला यादव ने कहा कि नर्सिंग स्टाफ को सुबह, शाम और रात तीनों शिफ्ट में ड्यूटी करनी पड़ती है। स्वास्थ्य संस्थान कई बार गांवों और शहरों से दूर स्थित होते हैं। ऐसे में दूर-दराज के स्थानों पर तबादला होने से महिला नर्सिंग कर्मचारियों को परिवार से दूर रहने के साथ-साथ आने-जाने और सुरक्षा संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। नर्सिंग स्टाफ पर बच्चों, बुजुर्ग माता-पिता और परिवार की जिम्मेदारियां भी होती हैं। ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू होने से कर्मचारियों पर मानसिक दबाव बढ़ सकता है, जिसका असर उनकी ड्यूटी पर भी पड़ सकता है।



रेवाड़ी। नागरिक अस्पताल में विरोध करते हुए नर्सिंग स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

दो दिन काला बिल्ला लगाकर की थी ड्यूटी

सुशीला यादव ने बताया कि पॉलिसी के विरोध में नर्सिंग स्टाफ 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को काले बिल्ले लगाकर ड्यूटी कर चुका है। अब 5, 6 और 7 अक्टूबर को सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक दो घंटे की हड़ताल की जाएगी। उन्होंने कहा कि नर्सिंग स्टाफ को पिछले करीब डेढ़ वर्ष से वाशिंग अलाउंस नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने सरकार से लंबित वाशिंग अलाउंस जारी करने की मांग की। प्रधान ने चेतावनी देते हुए कहा ह यिदि 10 अक्टूबर तक ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी और वाशिंग अलाउंस सहित उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 10 अक्टूबर से नर्सिंग स्टाफ वर्दी पहनकर ड्यूटी पर नहीं आएगा और सिविल ड्रेस में ड्यूटी कर रोष जताएगा। इसके बाद भी मांगों पर सुनवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जा सकता है। इस दौरान मनजीत, सरोज, हामन कुमार, पूजा यादव, प्रदीप कुमार और निर्मल सहित अन्य नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा।

महिलाओं को पोषण व स्वच्छता का पढ़ाया पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गांव झाड़ौदा में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित आंगन मिलन उत्सव में महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और महिला-बाल कल्याण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। कार्यक्रम में विशेषज्ञों और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। विभाग की सुपरवाइजर यशु यादव ने कहा कि महिलाओं और बच्चों का स्वस्थ रहना ही मजबूत परिवार और स्वस्थ समाज की बुनियाद है। उन्होंने कहा कि विभाग का प्रयास है कि सरकार की योजनाओं और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ प्रत्येक पात्र महिला और बच्चे तक पहुंचे। उन्होंने महिलाओं से अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करने तथा नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान ल्क दलीप सैनी ने स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित जानकारी साझा की। वहीं डॉ. मनीषा (डेंटल) ने महिलाओं और बच्चों को दांतों की नियमित सफाई, मौखिक स्वच्छता और दांतों से जुड़ी समस्याओं से बचाव के उपाय बताए। अठट राजेश, अठट सीमा, छलश संजोगता और टढलह रिक्षीराज ने महिलाओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति सजग करते हुए जरूरी सावधानियों और उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनाकर कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है।



रेवाड़ी। कार्यक्रम में शपथ लेते हुए महिलाएं।

इनकी रही मौजूदगी

कार्यक्रम में माया, राजेश, अनीता, रविना, संजू, कृष्णा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं मौजूद रहीं। महिलाओं ने कार्यक्रम में मिली स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जानकारी को उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता जताई।



लंबित विकास कार्यों को समय से पूरा करें

बावल। उपमंडल कार्यालय बावल में विधायक डा. कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को समाधान शिविर तथा विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। विधायक ने समाधान शिविर में आए नागरिकों की समस्याओं को सुनकर कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। इसके उपरांत विधायक ने विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करें। समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों पर की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर एसडीएम संजीव कुमार, तहसीलदार महिमा, नायब तहसीलदार श्याम सुंदर और बीडीपीओ शुभम सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

350 की नेत्र जांच, 26 मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए किए गए चिह्नित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

समाज सेवी स्व.किशोरी लाल रुस्तगी के जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सोमवार को गुरुग्राम के निजी अस्पताल के सहयोग से गांव नंदरामपुर बास में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 350 मरीजों की निःशुल्क नेत्र जांच के साथ साथ बोन मिनरल डेनसिटी व शुगर की जांच की गई। शिविर में 26 मरीज ऐसे भी चिन्हित किए गए, जिनका त्रिवेणी हॉस्पिटल में मोतियाबिंद का निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा तथा चश्मे व दवाइयां भी उपलब्ध कराई जाएंगी। आयोजन समिति की ट्रस्टी डा. गीता रस्तोगी ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाना है। वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. इंद्रमोहन रस्तोगी के नेतृत्व में डा. हिमांशी रस्तोगी व डा. दीपांशु जांगड़ा की टीम ने मरीजों की नेत्र जांच की। ट्रस्टी भूपेंद्र रस्तोगी ने सभी चिकित्सकों का आभार जताया।





कोसली। नवनियुक्त प्रधान का सम्मान करते समाज के लोग।

तेजपाल चुना गए अग्रवाल सभा के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

अग्रवाल सभा के प्रधान पद के लिए सोमवार को हुई बैठक में तेजपाल गर्ग एडवोकेट को सर्वसम्मति से सभा का प्रधान चुन लिया गया। महेंद्र कुमार गर्ग ने एडवोकेट तेजपाल गर्ग का नाम का प्रस्ताव किया। बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने तेजपाल गर्ग के नाम पर सहमति व्यक्त की। पूर्व प्रधान सुभाष गर्ग ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। नवचयनित प्रधान तेजपाल गर्ग ने कहा कि वह समाज की ओर से सौंपी गई जिम्मेदारी का सभी के सहयोग से निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे। नवचयनित प्रधान ने पूर्व प्रधान सुभाष गर्ग को सभा का संरक्षक, सोनू बंसल को उप प्रधान, मास्टर विजय कुमार को सचिव, अरुण कुमार को कोषाध्यक्ष तथा जगदीश प्रसाद, मुकेश कुमार, मीनू सेठ, ऋषि कुमार, मनोज कुमार, सतीश गर्ग, मुकेश कुमार, पवन बंसल, बृजमोहन बंसल व राजेश कुमार गुप्ता को कार्यकारिणी का सदस्य नामित किया है।



नशामुक्ति के लिए पुलिस ने किया जागरूक

रेवाड़ी। जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में पुलिस के निरंतर प्रयास जारी हैं। सोमवार को नशा मुक्ति टीम ने अभियान के दौरान गांव चांग और चौकी नंबर-1 में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव बताएं और अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। य

नुक्कड़ नाटकों से एचआईवी एड्स से बचाव का संदेश देंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एचआईवी एड्स के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग की ओर से फोक मीडिया जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान का शुभारंभ सोमवार को सर शादीलाल नागरिक अस्पताल से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया गया। प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. सुरेंद्र यादव ने बताया कि अभियान के तहत नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को एचआईवी एड्स के फैलने के कारणों, बचाव और रोकथाम के उपायों के बारे में जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों तक एचआईवी एड्स से संबंधित सही जानकारी पहुंचाना और बीमारी को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना अभियान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान रेवाड़ी, धारूहेड़ा और बावल क्षेत्र में 12 स्थानों पर नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया जाएगा। तीनों क्षेत्रों में चार-चार नाटक प्रस्तुत किए जाएंगे। कलाकार रोचक एवं प्रभावी प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को बताएंगे कि एचआईवी संक्रमण किन कारणों से फैलता है तथा इससे बचाव के लिए किन सावधानियों को अपनाना जरूरी है। इस अवसर पर एचआईवी के नोडल अधिकारी डा. संदीप, डा. आशीष, डा. दीपक, डा. खुशबू तथा नागरिक अस्पताल के आईसीटीसी, एआरटी, ओएसटी और एसटीआई स्टाफ के सदस्य मौजूद रहे।



रेवाड़ी। एचआईवी एड्स अभियान का शुभारंभ करते डॉक्टर्स।



शिविर में अवैध कब्जे हटाने के दिए निर्देश

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने सोमवार को लघु सचिवालय समागार में आयोजित समाधान शिविर में एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा व अन्य अधिकारियों के साथ जन शिकायतों का मौके पर ही समाधान कराकर आमजन को राहत पहुंचाई। समाधान शिविर में गांव खेड़ा आलमपुर में अवैध कब्जे, बेरली कलां बस स्टैंड पर अवैध कब्जे, शहर के विकास नगर में घर के सामने कूड़े का ढेर लगा होन व गांव बोलनी में ट्यूबवेल पर लटके हुए बिजली के तार की शिकायत पर डीसी ने अधिकारियों को समस्याओं के तुरंत समाधान कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा समाधान शिविर में नागरिकों द्वारा मुख्य रूप से परिवार पहचान पत्र, अवैध अतिक्रमण, पुलिस विभाग, बिजली विभाग, सीवरेज से संबंधित समस्याएं प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकतर शिकायतों का डीसी ने मौके पर ही समाधान किया गया, वहीं शेष बची शिकायतों के समाधान के लिए विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एडीसी राहुल मोदी, डीआरओ प्रदीप देशवाल व डीएसपी संजीव बल्हारा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

लिलोढ़ पीएचसी में स्वास्थ्य सेवा शुरू होने से ग्रामीणों में खुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली विधानसभा क्षेत्र के गांव लिलोढ़ और आसपास के ग्रामीण इलाकों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में एक नई शुरूआत हुई है। नवस्थापित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लिलोढ़ में नियमित चिकित्सकीय उपचार शुरू कर दिया गया है। इस पीएचसी में क्षेत्र के लोगों को प्राथमिक उपचार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर मिलेंगी। सीएमओ डा. नरेंद्र दहिया ने बताया कि गांव लिलोढ में पीएचसी के शुरू होने से क्षेत्र के हजारों लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं अब अपने घर के नजदीक ही उपलब्ध होंगी। नाहड़ ब्लॉक के गांव लिलोढ़ में पीएचसी के शुरू होने से स्थानीय लोगों को समय पर इलाज, टीकाकरण और स्वास्थ्य जांच की सुविधा अब आसानी से मिल सकेगी। इससे छोटी-बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए क्षेत्र के लोगों को दूर नहीं जाना पड़ेगा।



रेवाड़ी। राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लिलोढ़।

मच्छर जनित बीमारियों से बचाव को रहें सतर्क

डिप्टी सीएमओ डा. जोगेंद्र तंवर ने कहा कि आमजन मच्छरों से होने वाली बीमारियों, विशेषकर डेंगू व मलेरिया से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी सावधानियों का पालन करें। उन्होंने बताया कि नागरिक घर से बाहर निकलते समय पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें तथा आवश्यकता के अनुसार मच्छरदानी का प्रयोग करें। नागरिक घरों, कार्यालयों और आसपास के क्षेत्रों में कहीं भी पानी जमा न होने दें। कूलर, गमले, टायर, छतों पर रखे बर्तन, टंकियों तथा अन्य ऐसे स्थानों की नियमित सफाई करें, जहां पानी एकत्रित हो सकता है।

बिना नंबर प्लेट व 15 वर्ष पुराने वाहनों के खिलाफ चलाया अभियान

701 वाहन किए इंपाउंड, 2129 के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

जिले में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिला पुलिस ने गत सितंबर माह में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों और संदिग्ध वाहनों के खिलाफ कड़ी कानूनी व चालानी कार्रवाई करते हुए शिकंजा कसा। जिला पुलिस की ओर से सभी क्षेत्रों एवं प्रमुख मार्गों पर विशेष नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने यातायात पुलिस एवं जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों और संदिग्ध वाहनों पर पैनी नजर रखी जाए। विशेष रूप से बिना नंबर प्लेट, अधूरी या अस्पष्ट नंबर प्लेट, अथवा अंकों से छेड़छाड़ कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ तुरंत और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके अतिरिक्त, 10 से 15 वर्ष पुराने डीजल व पेट्रोल वाहनों पर भी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वाहन की नंबर प्लेट उसकी प्राथमिक कानूनी पहचान होती है। इसे किसी भी प्रकार से बदलना, धुंधला करना, ढकना या पहचान छिपाने का प्रयास करना यातायात नियमों का गंभीर उल्लंघन है। एसपी ने कहा कि अक्सर यह देखने में आता है कि कुछ वाहन चालक जानबूझकर अंकों को छिपाने, मिटाने, मोड़ने या अनधिकृत पैटर्न में लिखवाने का प्रयास करते हैं, ताकि वास्तविक पंजीकरण संख्या स्पष्ट दिखाई न दे। इसके अतिरिक्त, कई लोग नंबर प्लेट पर विभिन्न प्रकार के शब्द, नाम, पद, स्लोगन या अनधिकृत डिजाइन बनवा लेते हैं। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी किसी भी गतिविधि को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा और ऐसे वाहन चालको के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



रेवाड़ी। नाके पर कार की चेकिंग करते हुए पुलिस।

नाकाबंदी कर पुलिस ने की चेकिंग

पुलिस टीमों की ओर से गत माह सितंबर में जिले के सभी प्रमुख मार्गों, चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष नाकाबंदी कर चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बिना नंबर प्लेट के वाहनों तथा 10 से 15 वर्ष पुराने डीजल व पेट्रोल के 334 वाहनों सहित 701 वाहनों को इंपाउंड किया गया। पुलिस ने बिना नंबर प्लेट के 914 वाहनों और बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के 1215 वाहनों सहित 2129 वाहनों के मौके पर ही चालान काटे। एसपी ने कहा कि आपराधिक तत्वों पर लगाम कसने, सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

तुलनात्मक आंकड़े बयां कर रहे अपराध नियंत्रण की कहानी

जघन्य अपराधों के ग्राफ में गिरावट पुलिस के लिए राहत भरे रहे 9 माह

महिलाओं के साथ छेड़छाड़ के मामले इस साल लगभग 59 प्रतिशत कम दर्ज किए गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी



रेवाड़ी। नाके पर कार की चेकिंग करते हुए पुलिस। फोटो : हरिभूमि

बीते साल की तुलना में इस साल सितंबर माह तक के आपराधिक आंकड़ों पर नजा दौड़ाई जाए, तो अपराधों का ग्राफ नीचे गिरा है। विभिन्न आपराधिक मामलों में काफी कमी दर्ज की गई है, जो पुलिस के लिए राहत की बात है। पुलिस विभाग की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार इस साल 1 जनवरी से लेकर 30 सितंबर की अवधि के दौरान महिला विरुद्ध अपराधों में 20.6 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। महिलाओं के साथ छेड़छाड़ के मामले इस साल लगभग 59 प्रतिशत कम दर्ज किए गए हैं। पुलिस की सख्ती का असर संपत्ति संबंधी अपराधों पर भी दिखाई दिया है। इस श्रेणी में कुल मामलों में 32.9 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। वाहन चोरी के मामलों में 34.2 प्रतिशत, स्नैचिंग में 36.8 प्रतिशत, साधारण चोरी में 23.8 प्रतिशत और सेंधमारी के मामलों में 46.6 प्रतिशत की कमी आई है। जबरन वसूली और ब्लैकमेलिंग के मामलों में भी 66.7 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। वहीं लूट के मामलों में 85.7 प्रतिशत तथा डकैती के मामलों में 50 प्रतिशत की कमी आई है।

हत्या के मामलों में 48 प्रतिशत की गिरावट

जघन्य एवं व्यक्तिगत अपराधों की बात करें तो हत्या के मामलों में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 48 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। गंभीर चोट पहुंचाने के मामलों में 12.8 प्रतिशत तथा साधारण मारपीट के मामलों में 45.2 प्रतिशत की गिरावट आई है। धोखाधड़ी के मामलों में 28.9 प्रतिशत और जालसाजी एवं कपट के मामलों में 37.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

अवैध गतिविधियों पर कसा शिकंजा

स्थानीय एवं विशेष कानूनों के तहत भी पुलिस की कार्रवाई का असर दिखाई दिया है। आर्म्स एक्ट के मामलों में 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। वहीं हरियाणा गोवंश संरक्षण अधिनियम के मामलों में 100 प्रतिशत की कमी दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिसिंग को इस अवधि के दौरान मजबूत बनाया गया है।

अपराधियों में कानून का खौफ जरूरी



पुलिस का उद्देश्य केवल अपराध के आंकड़ों में कमी लाना नहीं, बल्कि आमजन के मन में पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत करना और अपराधियों के मन में कानून का भय पैदा करना है। अपराधियों, नशा तस्करों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस की सख्ती आगे भी जारी रहेगी।

-हेमेंद्र कुमार मीणा, एसपी।

सरसों की बिजाई में जल्बाजी नहीं करें तापमान में कमी आने का करें इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी



रेवाड़ी। कृषि अनुसंधान केंद्र बावल। फोटो : हरिभूमि

अक्टूबर माह के दूसरे सप्ताह में गर्मी के तेवर और तल्ख हो गए हैं। पारा 39 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। सरसों उत्पादक किसान फसल बिजाई की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन कृषि विशेषज्ञ अभी किसानों को सरसों की बिजाई के लिए तापमान में कमी आने का इंतजार करने की सलाह दे रहे हैं। अभी आने वाले दिनों में बारिश की संभावना भी नजर आ रही है, इसलिए बारिश से पहले बोई हुई सरसों पपड़ी जमने से खराब हो सकती है। आसमान लगातार साफ रहने के कारण दिन और रात के तापमान सामान्य से अधिक बने हुए हैं। सोमवार को अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री की वृद्धि के साथ 39.0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। यह सामान्य से 5.0 डिग्री ज्यादा माना जा रहा है। न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री की गिरावट के साथ 19.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इससे रात के समय मौसम ठंडा बना रहा। बीते वर्ष 5 अक्टूबर को अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री और न्यूनतम 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में जाती हुई गर्मी की वापसी हुई है, जिससे दिन के समय लोगों को कूलर और एसी चलाने पड़ रहे हैं। इस समय रबी की प्रमुख फसल सरसों की बिजाई शुरू होने वाली है।

एजोटोबैक्टर खाद भी उपलब्ध



डा. धर्मबीर यादव ने बताया कि केंद्र की ओर किसानों के लिए एजोटोबैक्टर खाद भी उपलब्ध कराई जा रही है। इसकी कीमत 20 रुपये प्रति पैकेट रखी गई है। इसका उपयोग फसल को नाइट्रोजन और फास्फोरस उपलब्ध कराने में मदद करता है तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में सहायक हो सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों को अभी सरसों की बिजाई में जल्दबाजी करने की बजाय कुछ दिन इंतजार करना चाहिए। मौसम को देखते हुए अगर अंकुरित फसल खराब होती है, तो किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ती है।

सरसों की यह किस्में हैं उपयुक्त

दक्षिण-पश्चिम हरियाणा की परिस्थितियों के लिए उपयुक्त सरसों की उन्नत किस्मों के बीज बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। केंद्र पर आरएच-1424 और आरएच-725 किस्मों का बीज किसानों को दिया जा रहा है। ये दोनों किस्में क्षेत्र की परिस्थितियों में बुवाई के लिए उपयुक्त बताई गई हैं। केंद्र के अनुसार सिंचित क्षेत्रों में सरसों की एक किलोग्राम प्रति एकड़ तथा वर्षा आधारित क्षेत्रों में 1.5 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज की मात्रा रखने की सलाह दी गई है।

बारिश के बाद बिजाई करना उचित

एचएयू हिसार के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के निदेशक डा. धर्मबीर यादव ने बताया कि मौसम विभाग ने 9 से 12 अक्टूबर तक मौसम में बदलाव की संभावना जताई है। इस दौरान बारिश हो सकती है। किसानों को ऐसे समय पर सरसों की बिजाई से बचना चाहिए। अगर बिजाई के बाद बारिश होती है, तो मिट्टी की पपड़ी बनने से सरसों अंकुरित नहीं होगी, जिससे किसानों को दोबारा बिजाई करनी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि इस समय तापमान सामान्य से अधिक है। अगर ऐसे में सरसों की बिजाई की जाती है, तो फसल पर रेत गर्म होने के बाद धोलिया रोग का खतरा बना रहेगा। किसानों को 32 डिग्री के आसपास तापमान आने पर ही फसल बिजाई करनी चाहिए।

अंत्योदय परिवार उत्थान मेले में नागरिकों ने लिया लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी



रेवाड़ी। सेवा सेतु कैंप में लगी लोगों की भीड़। फोटो : हरिभूमि

एडीसी एवं नोडल अधिकारी राहुल मोदी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में 15 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे सेवा सेतु कैंप आमजन के लिए सशक्त माध्यम बन रहे है, जिसमें एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। सोमवार को नंदरामपुर बास में सेवा सेतु कैंप का आयोजन किया गया। मेले में विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर नागरिकों को विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया।

एडीसी ने कहा कि कैंप के माध्यम से केंद्र और हरियाणा सरकार समाज के जरूरतमंद और पात्र परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को रोजगार, स्वरोजगार, कौशल विकास, ऋण एवं अन्य सरकारी सुविधाओं से जोड़ना है। मेले में लगी स्टॉलों पर नागरिकों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, रोजगार एवं स्वरोजगार, कौशल विकास, ऋण, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण तथा अन्य विभागीय सेवाओं की जानकारी ली।

इन स्थानों पर लगेगा कैंप

एडीसी ने बताया कि 6 अक्टूबर बीडीपीओ कार्यालय जाटूसाना, 7 अक्टूबर को राजकीय प्राथमिक विद्यालय नंगली परसापुर, 8 अक्टूबर को ग्राम सचिवालय सूठानी, 9 अक्टूबर नगर पालिका कार्यालय बावल, 10 अक्टूबर खेल स्टेडियम रोहड़ाई, 12 अक्टूबर एसडीएम कार्यालय कोसली, 13 अक्टूबर एससी चैपाल बेरली कलां, 14 अक्टूबर को बीसी चौपाल पुंसिका तथा 15 अक्टूबर को सामुदायिक केंद्र सेक्टर-6 धारूहेड़ा में कैंप का आयोजन किया जाएगा।

बच्चों ने शानदार मानव श्रृंखला निर्मित की

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी



रेवाड़ी। बच्चों की ओर से बनाई गई रंगोली व मौजूद विधायक। फोटो : हरिभूमि

सेवा संकल्प अभियान के दौरान सोमवार को आरपीएस स्कूल गांव हांसाका में भारत के नक्शे को आकार देते हुए 27 हजार फीट एरिये में बच्चों ने शानदार मानव श्रृंखला निर्मित की। स्कूल प्रांगण में प्राकृतिक रंगों से तीन हजार वर्ग फीट एरिये में मेरे सपनों का भारत नाम से आकर्षक रंगोली तैयार की गई। आयोजन में शिक्षा विभाग के फाइन आर्ट्स के अध्यापक एवं स्कूल प्रबंधन का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने मानव श्रृंखला में बैठे हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीयता की भावना के साथ नई पीढ़ी को जोड़ना है, जिससे कि बच्चों में राष्ट्र सेवा की प्रेरणा जगे और उनका जीवन भारत के प्रति समर्पित रहे। प्रधानमंत्री सबसे अधिक बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतन करते हैं। उनका प्रयास है कि देश की भावी पीढ़ी का सर्वांगीण विकास होना चाहिए। विधायक लक्ष्मण सिंह ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण करने के लिए हमें अपने परिवार से ही प्राकृतिक खेती, स्वच्छता अभियान, पशुपालन जैसे कार्य करने चाहिए। पालतू पशुओं की घटती संख्या से हमें अच्छी गुणवत्ता का दूध पीने को नहीं मिल सकता। इसलिए घर में एक या दो गाय अवश्य होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के दौरान रेवाड़ी जिला के विद्यालयों में निबंध प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, भाषण आदि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में आरपीएस के प्रिंसिपल विक्रम यादव, उप जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र सिंह यादव, अरविंद यादव, खंड शिक्षा अधिकारी दुष्यंत यादव, अशोक नामवाल, डीपीसी संतोष, ज्योत्सना व पूनम उपस्थित रहे।

साइबर अपराधों से बचाव के दिए टिप्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी



रेवाड़ी। लोगों को साइबर अपराधों की जानकारी देते हुए पुलिस।

जिला पुलिस की ओर से साइबर सुरक्षा माह के अंतर्गत साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और आमजन को सतर्क करने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सोमवार को साइबर थाना की ओर से बस स्टैंड पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साइबर क्राइम थाना से एएसआई जितेन्द्र ने यात्रियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकारों, उनके बढ़ते प्रभाव और उनसे बचाव के सुरक्षात्मक उपायों की जानकारी दी। एएसआई जितेन्द्र ने कहा कि आज के डिजिटल युग में इंटरनेट, मोबाइल बैंकिंग और सोशल मीडिया हमारे दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन थोड़ी-सी भी असावधानी साइबर ठगी या डेटा चोरी का कारण बन सकती है। उन्होंने नागरिकों को सुरक्षा टिप्स देते हुए कहा की किसी भी संदिग्ध या अनजान लिंक पर क्लिक न करें। अपना ओटीपी, बैंक खाता विवरण, यूपीआई पिन या पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। अजनबी कॉल, लॉटरी-उपहार के लालच देने वाले मैसेज या फिशिंग ई-मेल से सतर्क रहें। साइबर टीम ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी के साथ किसी प्रकार की साइबर ठगी या संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि होती है, तो वे बिना समय गंवाए तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें।

शिविर में 24 लोगों ने स्वेच्छा से किया रक्तदान

कोसली। कोसली गांव के पंचायत घर में रोहतक ब्लड सेंटर की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 24 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस अवसर पर ब्लड सेंटर की डा. ममता ने कहा कि रक्तदान महादान है और हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने लोगों से समय-समय पर रक्तदान करने के लिए आगे आने का आह्वान किया। सरपंच रामकिशन जांगड़ा ने कहा कि रक्तदान मानवता की सच्ची सेवा है। स्वस्थ लोगों को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए, ताकि जरूरत के समय किसी भी मरीज को रक्त की कमी का सामना न करना पड़े। उन्होंने शिविर में रक्तदान करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

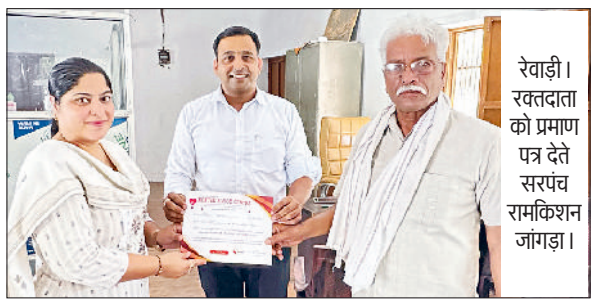

रेवाड़ी। रक्तदाता को प्रमाण पत्र देते सरपंच रामकिशन जांगड़ा।

प्रभु की दया से सत्संग सुनने का अवसर मिलता

हरिभूमि न्यूज ⏭ बावल



बाबा उमाकांत महाराज ने कहा कि संत परमात्मा से जुड़े होते हैं और उनके अंदर अपार आध्यात्मिक शक्ति होती है। संत नसीब और भाग्य को भी बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि संतों की कृपा से कई बार ऐसी अनहोनी भी टल जाती है, जो होने वाली होती है। उन्होंने समझाया कि दुर्घटना, बीमारी या किसी अन्य कारण से होने वाली अनहोनी का भी एक समय निर्धारित होता है, लेकिन संत अपनी शक्ति से उस समय को आगे बढ़ाकर संकट को टाल सकते हैं। जैसे किसी व्यक्ति की फांसी का समय निश्चित होने के बावजूद किसी कारण से वह टल जाए, उसी प्रकार संतों की शक्ति से जीवन पर आने वाला संकट भी कुछ समय के लिए टाला जा सकता है। इसी महान शक्ति के कारण संतों को धरती का सरताज कहा जाता है।

गुरु महाराज भी ऐसे ही महान संत थे, जिनकी पावन स्मृति में बावल में भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। उमाकांत महाराज ने कहा कि प्रभु की दया से सत्संग सुनने का अवसर मिलता है। बिना सतसंग के इंसान अज्ञानता में रहता है, जबकि सतसंग से जीवन और अपने वास्तविक देश की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि परमात्मा की अंश जीवात्मा निर्मल और स्वच्छ है, लेकिन उसके साथ जुड़े मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार शरीर से बुरे कर्म करा देते हैं। कलयुग के प्रभाव के साथ लोगों के कर्म बिगड़ते गए और आत्मा पर गंदगी चढ़ती गई। महाराज ने बताया कि ऐसे समय में धरती पर संतों का प्रादुर्भाव हुआ, जो जीवों को सतसंग और सही मार्ग की जानकारी देते हैं।

ग्रामीणों को पोषण, साफ-सफाई और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने दिया संदेश

कोसली। सोमवार को नेहरूगढ़ गांव में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच आशीष प्रजापति ने किया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सुपरवाइजर अंतिम शर्मा एवं मंजू मौजूद रहीं। सरपंच ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों की देखभाल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि माताओं, अभिभावकों और ग्रामीणों को जागरूक कर जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए उचित पोषण एवं स्वच्छता को जरूरी बताया। सुपरवाइजर अंतिम शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक महिलाओं, बच्चों और ग्रामीणों को आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ना है। उन्होंने बच्चों के जीवन के शुरूआती एक हजार दिन के दौरान, पोषण, साफ-सफाई और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में राजेश एएनएम आंगनबाड़ी वर्कर सुमन, मंजू, निर्मला, अनीता, शकुंतला, माया, सुशीला व मनोज सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम राज्य शिक्षक अवार्ड विजेता प्रदीप कुमार के सम्मान में कार्यक्रम

शिक्षक राष्ट्र निर्माण की कड़ी, ये देश के भावी भविष्य की नींव तैयार करते: एसडीएम

- नेहा यादव और जोगिंदर धनखड़ ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होता है

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी



रेवाड़ी। प्रवक्ता प्रदीप कुमार का सम्मान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सोमवार को शहीद रामस्वरूप सीएम ईईई राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कंवाली में राज्य शिक्षक अवार्ड विजेता प्रदीप कुमार प्रवक्ता राजनीति विज्ञान के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य अनिल यादव ने बताया कि गत 5 सितंबर को विद्यालय के प्रवक्ता प्रदीप कुमार को राज्यपाल हरियाणा की ओर से राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसडीएम कोसली विजय यादव व विशिष्ट अतिथि के रूप में नेहा यादव नायब तहसीलदार कोसली तथा जोगिंदर सिंह धनखड़ खंड शिक्षा अधिकारी जाटूसाना उपस्थित थे। इस मौके पर एसडीएम ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की कड़ी है और ये देश के भावी भविष्य की नींव तैयार करने और विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण का कार्य करते हैं। इस अवसर नेहा यादव और जोगिंदर धनखड़ ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होता है। उन्होंने आह्वान किया कि बच्चों को अनुशासन,कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और नशे से दूर रहकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए तभी वे जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। इस मौके पर जयसिंह खोला, पूर्व प्राचार्य रामचंद्र, प्राचार्य राकेश यादव डहीना, रविंद्र यादव पूर्व प्रधान हसला, मोहनलाल शर्मा व सरपंच सीलवती यादव ने भी अपने विचार रखे। मंच संचालन मिथिलेश कुमारी प्रवक्ता हिंदी ने किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अजय प्राचार्य दड़ौली, अनिल कुमार प्राचार्य मोतला कला, मदन, कैप्टन उदय राम, कैप्टन हरलाल सिंह, प्रोफेसर सुधीर कुमार, रामचंद्र यादव, विजय सिंह, नरेंद्र यादव, कुलदीप थानेदार, कैप्टन विक्रम सिंह, वीरेंद्र कुमार, जितेंद्र कुमार, मनोज कुमार, अभय सिंह, रमेश शर्मा, राजेश जैनाबाद, डा. विजय शर्मा, वीरेंद्र कोच, पंकज कोच, खुशीराम, यशपाल व रविंद्र सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

बच्चों के खान पान पर विशेष ध्यान दें अभिभावक: संतोष

कोसली। कोसली के गांव कान्हड़वास में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर सुपरवाइजर संतोष ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों की बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और मानसिक एवं शारीरिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और अभिभावकों के बीच निरंतर संवाद एवं सहयोग जरूरी है।

बच्चों में समझने की आदत विकसित करने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के लिए जागरूक रहे

उन्होंने अभिभावकों से आवाहन किया कि वे बच्चों के खान पान पर विशेष ध्यान दें तथा उन्हें पौष्टिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराए। बच्चों में समझने की आदत विकसित करने, समय पर टीकाकरण कराने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के लिए भी जागरूक रहे। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सीखने और खेलने का माहौल बनाते हुए बच्चों को खेल-खेल में नई बातें सिखाई तथा उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर भभावकों को भी आंगनबाड़ी केंद्र की विभिन्न गतिविधियों एवं विभाग की ओर से बच्चों और महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर आंगनबाड़ी वर्कर सरताज, विमला व सरिता तथा हेल्पर सुमित्रा, सुनीता व संतोष सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रही।



रेवाड़ी। महिलाओं को बच्चों के पोषण संबंधी जानकारी देती सुपरवाइजर संतोष।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8295554800